11-01-2022

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मनाया 'विश्व हिन्दी दिवस'

कानपुर (नगर छाया समाचार)। 'विश्व हिन्दी दिवस' राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मनाया गया एवं इस अवसर पर संस्थान में हिन्दी भाषा के प्रोत्साहन हेतु संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य एक स्लोगन (प्रेरणादायी वाक्य) की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में डॉ लोकेश बाबर, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रश्मि यादव, आशुलिपिक-द्वद्व एवं शालिनी, रिसर्च स्कॉलर, को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों एवं संस्थान के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने कहा कि 10 जनवरी को 'विश्व हिन्दी दिवस' के तौर पर मनाये जाने की घोषणा वर्ष 2006 में की गयी थी। उन्होंने कहा हिन्दी न केवल हमारी राजभाषा है, अपितु मातृभाषा भी है। इसका प्रयोग करने में किसी को हीनता का अनुभव नहीं करना चाहिए। यह समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने में सहायक है।

विभिन्न शिक्षा संस्थानों के अध्यापकों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी पुस्तकों का लेखन हिन्दी में करने हेतु उनको आगे आना चाहिए।

प्रतिभागियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

एनएसआई में विश्व हिंदी दिवस पर प्रतियोगिता

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 10 जनवरी। सोमवार को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतिभागियों व अधिकारियों को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि 2006 से आज ही के दिन विश्व में हिंदी दिवस को मनाया जा रहा है। कहा कि हिंदी देश की राजभाषा ही नहीं बल्कि मातृभाषा भी है। उन्होंने कहा कि हिंदी से ही हम सब आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। शिक्षा संस्थानों के विभिन्न शिक्षकों से अपिल करते हुए निदेशक ने कहा कि तकनीकी पुस्तकों का लेखन हिंदी भाषा में करने के लिये सबको आगे आना होगा। इससे पहले स्लोगन प्रतियोगिता के विजेता कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ लोकेश बब्बर, आशलिपिक-2 रश्मि यादव, रिसर्च स्कॉलर शालिनी को पुरस्कृत किया गया।

एनएसआई ने 'विश्व हिन्दी दिवस' पर कराई स्लोगन प्रतियोगिता

शर्करा संस्थान में विश्व हिन्दी दिवस पर आयोजित हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण के मौके पर संस्था निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन व अन्य।

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 'विश्व हिन्दी दिवस' पर सोमवार को हिन्दी भाषा के प्रोत्साहन को लक्ष्य कर प्रेरणा दायी वाक्य (स्लोगन) प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में डॉ.लोकेश बाबर कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रश्मि यादव, आशुलिपिक एवं शालिनी रिसर्च स्कॉलर को पुरस्कृत किया गया।

निदे शक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने इस मौके पर सभी को अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हिन्दी न केवल हमारी राजभाषा है,अपितु मातृभाषा भी है। इसलिए इसका प्रयोग करने में किसी को हीनता का अनुभव नहीं करना चाहिए। यह समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने में सहायक है। उन्होंने अध्यापकों को भी तकनीकी पुस्तकों का लेखन हिन्दी में करने हेतु प्रेरित किया।

Dailyhunt

हिन्दुस्थान समाचार

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में हिन्दी भाषा प्रोत्साहन के लिए आयोजित की गई स्लोगन प्रतियोगिता

कानपुर, 10 जनवरी (हि.स.)। 'विश्व हिन्दी दिवस' के अवसर पर आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में हिन्दी भाषा के प्रोत्साहन के लिए संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य एक स्लोगन (प्रेरणादायी वाक्य) की प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

इस अवसर पर प्रतिभागियों एवं संस्थान के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने कहा कि 10 जनवरी को 'विश्व हिन्दी दिवस' के तौर पर मनाये जाने की घोषणा वर्ष 2006 में की गयी थी। उन्होंने कहा हिन्दी न केवल हमारी राजभाषा है, अपितु मातृभाषा भी है। अतः इसका प्रयोग करने में किसी को हीनता का अनुभव नहीं करना चाहिए। यह समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने में सहायक है।

इस प्रतियोगिता में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ लोकेश बाबर, आशुलिपिक-II रश्मि यादव एवं रिसर्च स्कॉलर शालिनी को पुरस्कृत किया गया। विभिन्न शिक्षा संस्थानों के अध्यापकों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी पुस्तकों का लेखन हिन्दी में करने के लिए उनको आगे आना चाहिए।

हिन्दुस्थान समाचार/अजय